ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997| क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

हिंदी विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग ने किया कोविड के दौरान भारतीय महिलाओं की स्थिति पर अध्ययन

वर्धा ,10 अगस्त 2021 : 'कोविड के दौरान भारतीय महिलाओं की स्थिति' पर संपन्न अध्ययन की प्रति 10 अगस्त 2021 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक ने विश्वविद्यालय

के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को सौंपी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति द्वय प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल और प्रो. चंद्रकांत रागीट उपस्थित थे। कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने इस अध्ययन के लिए स्त्री अध्ययन विभाग को बधाई दी एवं इसे ई-बुक के रूप में प्रकाशित करने को कहा है।

स्त्री अध्ययन विभाग के द्वारा किए गये इस अध्ययन में निष्कर्ष के रूप में कहा गया है कि कोरोना की महामारी के दौरान भारतीय महिलाओं ने सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना किया। कोविड की त्रासदी ने भारतीय स्त्रियों को भिन्न तरीके से प्रभावित किया। हमारे समाज, संस्कृति तथा व्यवस्था की जेंडर असंवेदनशील प्रवृत्ति के कारण कोरोना महामारी जैसी त्रासदी में भी महिलाओं को द्वितीयक नागरिक के रूप में ही देखा गया। जिसके कारण महिलाएं अपने मूलभूत

अधिकारों से वंचित रह गईं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू यह भी रहा कि महिलाओं की बहुतबड़ी संख्या कोरोना वारियर्स डॉक्टर, नर्स, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाडी कर्मी, सफाई कर्मी आदि इस महामारी का सामना करने के लिये अग्रिम पंक्ति में मजबूती से खड़ी भी रहीं और अपनी कार्यकुशलता, लगन और मेहनत से उन्होंने इस महामारी को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिंदी विश्वविद्यालयातील स्त्री अध्ययन विभागाने केले
कोविड काळातील भारतीय स्त्रीयांच्या स्थितीवर अध्ययन

वर्धा, 10 ऑगस्ट 2021 : 'कोविड काळातील भारतीय महिलांची स्थिती' या शीर्षकाअंतर्गत महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील स्त्री अध्ययन विभागाच्या वतीने केलेल्या अध्ययनाची प्रती विभागाच्या अध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक यांनी कुलगुरू प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांना 10 ऑगस्ट 2021 रोजी सोपविली. यावेळी विश्वविद्यालयाचे प्रकुलगुरू द्वय प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल व प्रो.चंद्रकांत रागीट उपस्थित होते. यावेळी कुलगुरू प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांनी या अध्ययनाकरिता स्त्री अध्ययन विभागाला शुभेच्छा दिल्या व हे अध्ययन ई-बुक प्रारूपात प्रकाशित करण्यास सांगितले आहे. कोरोना महामारी दरम्यान भारतीय महिलांनी सर्वात कठिन व आव्हानात्मक परिस्थितींचा सामना केला. कोविड संकटाने भारतीय महिलांना वेगळ्या प्रकारे प्रभावित केले. समाज, संस्कृती व व्यवस्थेच्या जेंडर असंवेदनशील प्रवृत्तीमुळे कोरोना महामारी सारख्या संकटातही महिलांना द्वितीयक नागरिक म्हणून पाहण्यात आले. ज्यामुळे महिला आपल्या मूलभूत अधिकारापासून वंचित राहिल्या. परंतु याची दुसरी बाजू अशी की महिला मोठया संख्येने वारियर्स डॉक्टर, नर्स, आशा कार्यकर्ता, अंगनवाडी सेविका, सफाई कर्मचारी महामारीचा सामना करण्यासाठी पुढे येवून खंभीरपणे उभ्या राहिल्या आणि आपली कार्यकुशलता, निष्ठा व मेहनतीने या महामारीला नियंत्रित करण्यात महत्वाची भूमिका बजावली, असा निष्कर्ष या अध्ययनातून पुढे आला आहे.